बाबा मुक्तानन्द की सिखावनियाँ

बाबा मुक्तानन्द सिखाते थे कि परम आत्मा तेजोमय नीलबिन्दु के रूप में सभी मनुष्यों में विद्यमान है। वे समझाते थे कि दिव्य चिति नीलबिन्दु के ही रूप में हमारे अन्तर में वास करती है और यह भी समझाते थे कि यद्यपि नीलबिन्दु छोटा-सा होता है, फिर भी यह समस्त ब्रह्माण्ड को अपने में धारण किए हुए है। यद्यपि यह गूढ़ ज्ञान युगों से अत्यन्त गुप्त रखा जाता था, तथापि बाबा जी ने यह अद्वितीय ज्ञान समस्त संसार के लिए उपलब्ध कर दिया है। बाबा जी साधकों को सिखाते हैं कि श्रीगुरु की कृपा और सिद्धयोग साधना के अभ्यासों के प्रति समर्पण-भाव द्वारा वे नीलबिन्दु की अनुभूति कर सकते हैं और इस तरह स्वयं अपनी दिव्यता को जान सकते हैं।

इस अक्टूबर माह के दौरान, बाबा मुक्तानन्द की महासमाधि की वर्षगाँठ के सम्मान में, आप नीलबिन्दु के विषय में बाबा जी की इन सिखावनियों पर मनन कर सकते हैं।

© २०१७ एस.वाय.डी.ए. फ़ाउन्डेशन®। सर्वाधिकार सुरक्षित।